# Factual Report

**Reference: Verification of news published in Dainik Navajyoti dated 18.03.2026 regarding "फैक्ट्रियों के केमिकल से बंजर हो रही जमीनें, दी आंदोलन की चेतावनी"**

As per the directions received from the Regional Officer, RSPCB, Bhilwara, the undersigned officials of the Board visited the reported location on 18.03.2026 to ascertain the factual status of the news published in Dainik Navajyoti on the same date. During the inspection, the site mentioned in the news report was identified near Village Bhadali Kheda, Mandal at an Anicut constructed on the Kothari River. At aforesaid location, water quality was examined, and the Total Dissolved Solids (TDS) level was measured on-site, which was found to be 680 ppm.

During the course of inspection, no tanker was found discharging industrial wastewater at the site.

Further, a water sample was collected from the aforesaid site and submitted to the Laboratory, Regional Office, Bhilwara for detailed analysis.

Photographs of the site along with GPS coordinates have been taken and are enclosed herewith for reference.

**Submitted for information and necessary action.**

**(Kanhaya Lal Kumawat)**

**JEE**

**C/s**

**(Deepak Dhanetwal)**

**SEE & Regional Officer**

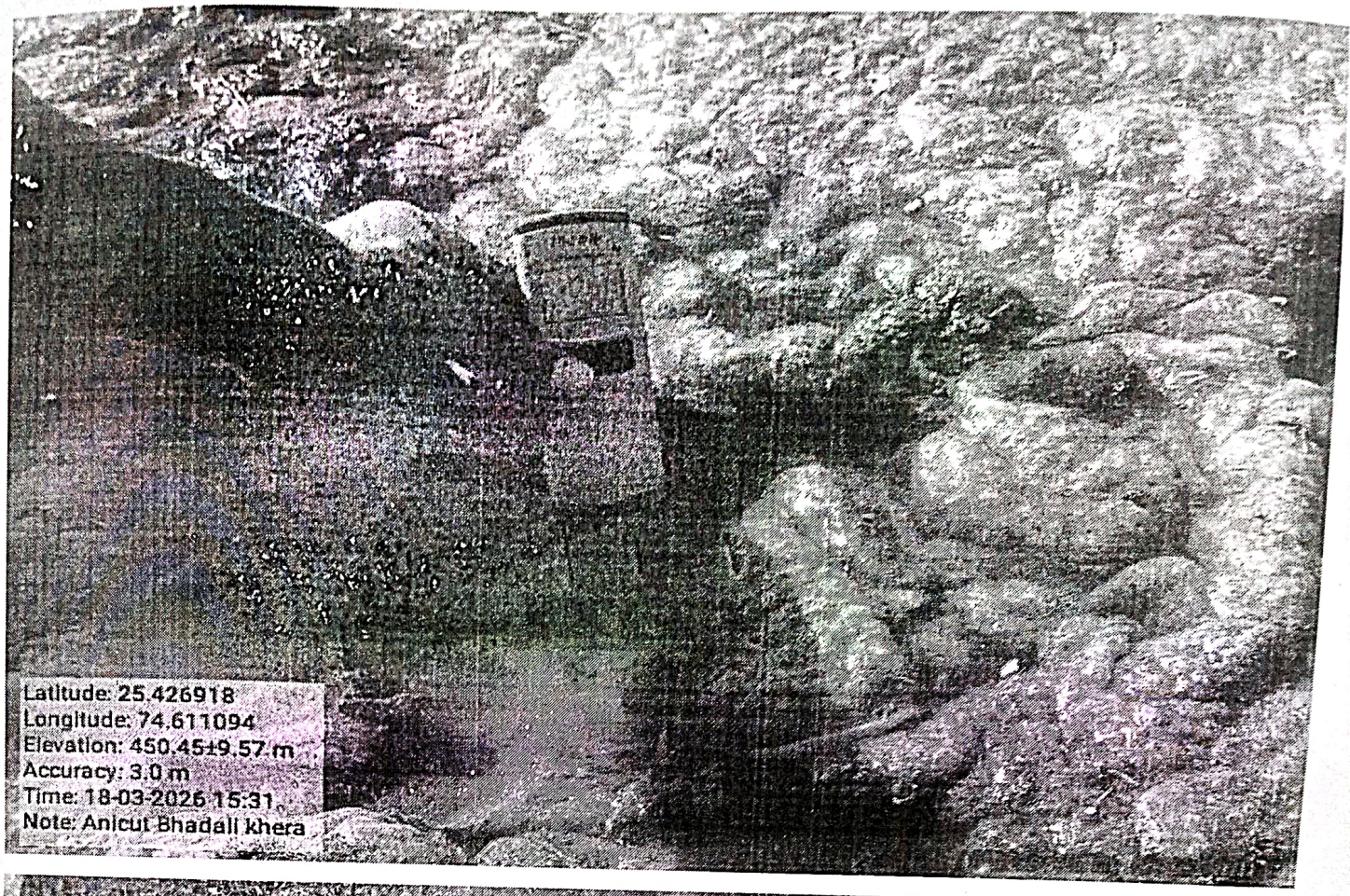
Latitude: 25.426918
Longitude: 74.611094
Elevation: 450.45±9.57 m
Accuracy: 3.0 m
Time: 18-03-2026 15:31
Note: Anicut Bhadali khera

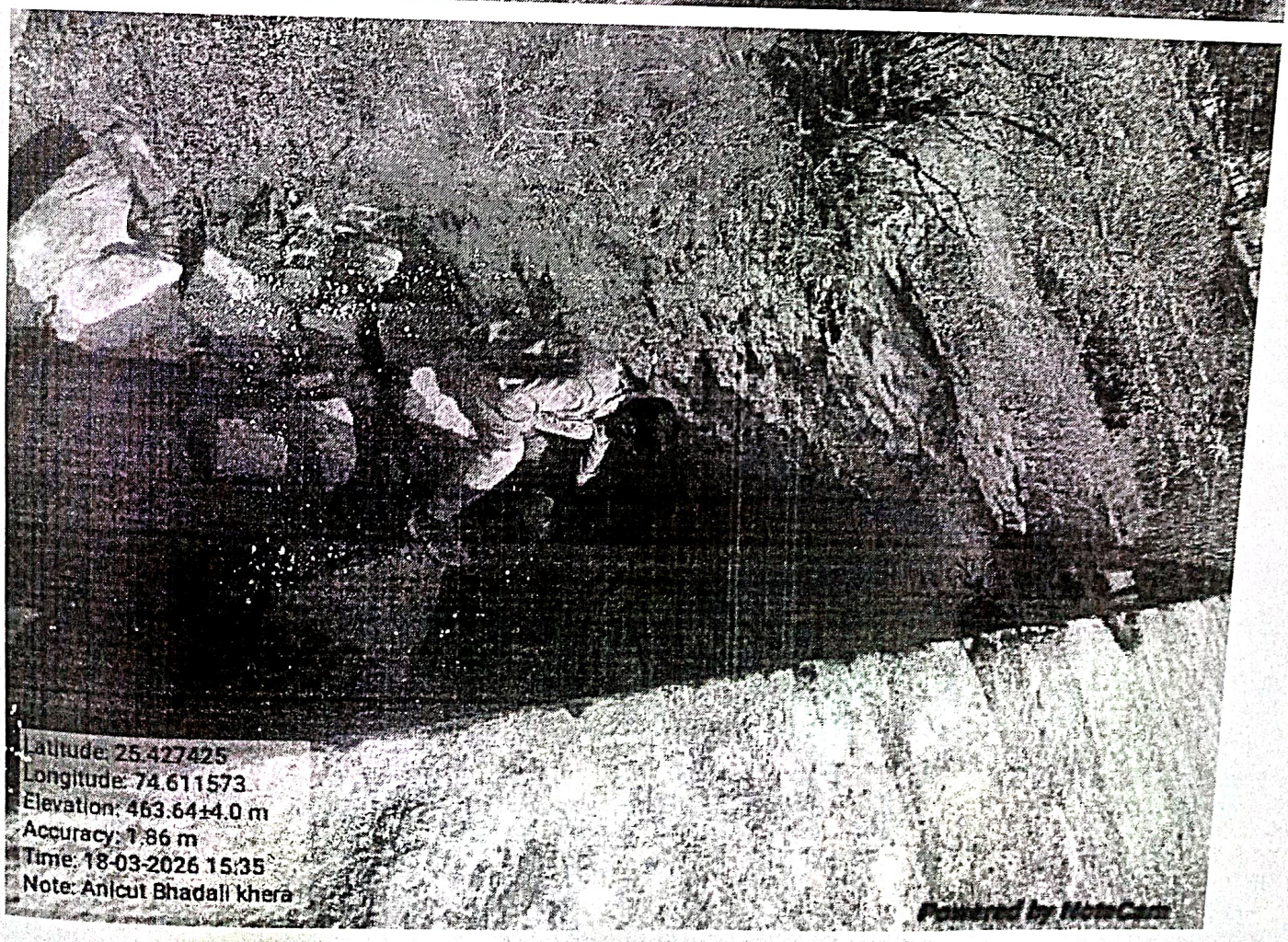
Latitude: 25.427425
Longitude: 74.611573
Elevation: 463.64±4.0 m
Accuracy: 1.86 m
Time: 18-03-2026 15:35
Note: Anicut Bhadali khera
Powered by NoteCam

दैनिक नवज्योति
Bhilwara - 18 Mar 2026 - Page 7

# फैक्ट्रियों के केमिकल से बंजर हो रही जमीनें, दी आंदोलन की चेतावनी

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, मीलवाड़ा**

शहर के समीपवर्ती कोठारी नदी इन दिनों औद्योगिक प्रदूषण की मार झेल रही है, जिससे क्षेत्र के किसानों में प्रशासन और फैक्ट्री संचालकों के खिलाफ गहरा आक्रोश व्याप्त है। शहर और मांडल क्षेत्र की फैक्ट्रियों से निकलने वाले रासायनिक युक्त काले और जहरीले पानी ने नदी के अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया है। स्थिति इतनी विकट हो चुकी है कि नदी के किनारे स्थित उपजाऊ जमीनें अब धीरे-धीरे बंजर होने लगी हैं। अगरपुरा-

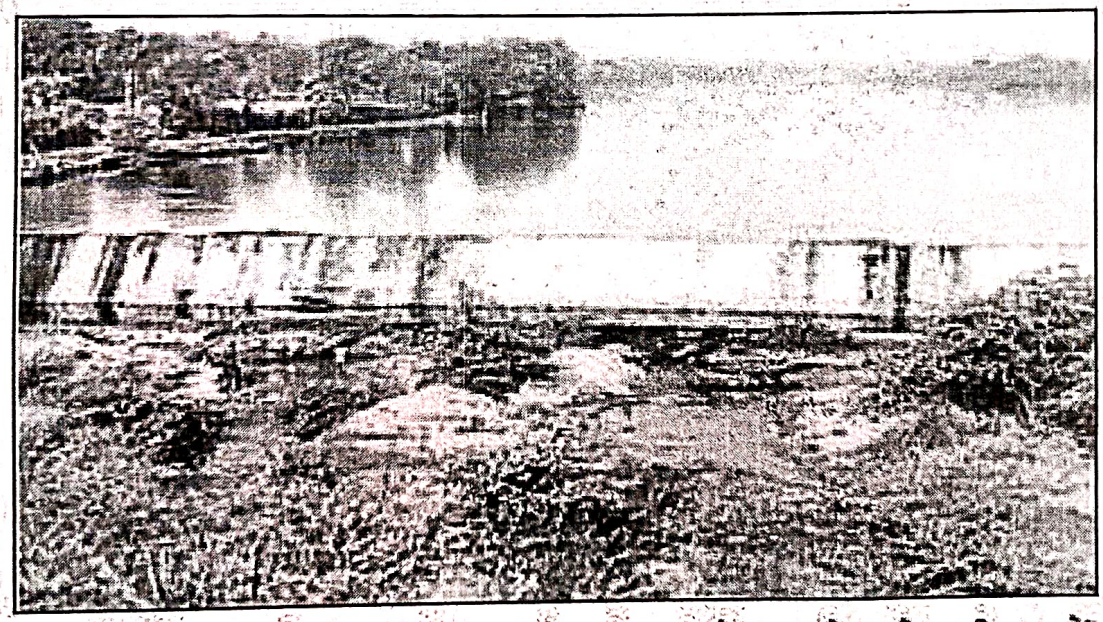

भदाली खेड़ा बाईपास पर स्थित कोठारी नदी के सबसे बड़े एनीकट में लगातार प्रदूषित पानी मिल रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए बताया कि मांडल क्षेत्र की कई फैक्ट्रियां चोरी-छिपे टैंकरों के माध्यम से अपना रासायनिक और गंदा पानी नदी में उड़ेल रही हैं। इससे नदी का पानी पूरी तरह जहरीला हो चुका है।

ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में नदी के पेटे में बड़े पैमाने पर तरबूज, खरबूज और अन्य मौसमी सब्जियों व फलों की बंपर पैदावार होती थी, जो अब प्रदूषण के कारण पूरी तरह बंद हो चुकी है। जहरीले पानी ने न केवल फसलों के उत्पादन को घटा दिया है, बल्कि नदी में मछलियों और अन्य जलीय जीवों का प्रजनन भी रुक गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इन दोषी फैक्ट्रियों पर लगाम कसने की मांग की है।

दैनिक नवज्योति
Bhilwara - 18 Mar 2026 - Page 7

# फैक्ट्रियों के केमिकल से बंजर हो रही जमीनें, दी आंदोलन की चेतावनी

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, भीलवाड़ा**

शहर के समीपवर्ती कोठारी नदी इन दिनों औद्योगिक प्रदूषण की मार झेल रही है, जिससे क्षेत्र के किसानों में प्रशासन और फैक्ट्री संचालकों के खिलाफ गहरा आक्रोश व्याप्त है। शहर और मांडल क्षेत्र की फैक्ट्रियों से निकलने वाले रासायनिक युक्त काले और जहरीले पानी ने नदी के अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया है। स्थिति इतनी विकट हो चुकी है कि नदी के किनारे स्थित उपजाऊ जमीनें अब धीरे-धीरे बंजर होने लगी हैं। अगरपुरा-

भदाली खेड़ा बाईपास पर स्थित कोठारी नदी के सबसे बड़े एनीकट में लगातार प्रदूषित पानी मिल रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए बताया कि मांडल क्षेत्र की कई फैक्ट्रियां चोरी-छिपे टैंकरों के माध्यम से अपना रासायनिक और गंदा पानी नदी में उड़ेल रही हैं। इससे नदी का पानी पूरी तरह जहरीला हो चुका है।

ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में नदी के पेटे में बड़े पैमाने पर तरबूज, खरबूज और अन्य मौसमी सब्जियों व फलों की बंपर पैदावार होती थी, जो अब प्रदूषण के कारण पूरी तरह बंद हो चुकी है। जहरीले पानी ने न केवल फसलों के उत्पादन को घटा दिया है, बल्कि नदी में मछलियों और अन्य जलीय जीवों का प्रजनन भी रुक गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन ने इन दोषी फैक्टियों पर लगाम कसने की मांग की है।